**भारत सरकार**

**भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय**

**भारी उद्योग विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 498**

**जिसका उत्तर सोमवार, 14 जुलाई, 2014 को दिया जाना है**

**भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड**

**498. श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी:**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की विनिर्माण क्षमता कितनी है;

(ख) क्या भेल का विचार कुछ नई ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने सहित इसकी कार्यकारी क्षमता को बढ़ाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भेल में प्रबंधन क्षमता की कमी लक्ष्य प्राप्त करने में बड़ी बाधा मानी जाती है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री**

**(श्री पी. राधाकृष्णन)**

**(क):** वर्ष 2011-12, 2012-13 और 2013-14 के दौरान भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की मुख्य विद्युत संयंत्र उपकरणों के विनिर्माण की क्षमता/सामर्थ्य का ब्यौरा निम्नवत है:

| 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 |
|---|---|---|
| 15,000 मेगावाट प्रतिवर्ष | 20,000 मेगावाट प्रतिवर्ष | 20,000 मेगावाट प्रतिवर्ष |

**(ख):** भेल ने मुख्य विद्युत संयंत्र उपकरणों की अपनी विनिर्माण क्षमता/सामर्थ्य का विस्तार पहले ही 20,000 मेगावाट प्रतिवर्ष तक कर लिया है तथा इस संबंध में उसका और अधिक बढ़ोतरी करने का कोई इरादा नहीं है।

भेल विभिन्न परियोजना विकासकों/ग्राहकों/कंपनियों के लिए मुख्य विद्युत उपकरण/पैकेज के विनिर्माणकर्ता/आपूर्तिकर्ता के रूप में तथा इंजीनियरी, अधिप्राप्ति और निर्माण (ईपीसी) संविदाकार के तौर पर भी अपनी भूमिका के माध्यम से अलग-अलग विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने में योगदान करता है। वैसे, कंपनी अपने आप से विद्युत परियोजना विकासक की भूमिका नहीं निभाती।

तथापि, कंपनी ने कारोबारी संधि और इक्विटी भागीदारी के माध्यम से कर्नाटक में नई विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किए हैं।

**(ग):** जी, नहीं। भेल में पर्याप्त प्रबंधकीय क्षमता और सामर्थ्य है और इस तरह की कोई बाधा नहीं है।

**(घ):** उपर्युक्त (ग) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

*****